



RAN - 2 4 0 1 1 3 1 4 0 4 0 1 0 0 0 1

RAN-2401131404010001**M.A. in Hindu Studies - Sanskrit (Sem. IV)****Examination March - 2025****Mahabharat (Paper : 116)****Time: 2 Hours]****[Total Marks: 50****सूचना : / Instructions**

(१)

नीचे दशावैल निशानीवाणी विगतो उत्तरवही पर अवश्य लपवी.
Fill up strictly the details of signs on your answer book

Name of the Examination:

M.A. in Hindu Studies - Sanskrit

Name of the Subject :

Mahabharat (Paper : 116)

Subject Code No.: 2401131404010001

Seat No.:

Student's Signature

- प्र. १. टूंकुमां जवाब आपो (कोईपण पांच) १०
- प्र. १. लघु उत्तर दीजिए। (कोई भी पांच) १०
१. महाभारतमां निरूपित अमरपात्रोना नाम लपुओ.
 १. महाभारत में निरूपित अमरपात्र के नाम लिखिए।
 २. विश्वमां सुप्रसिद्ध महाकाव्यो केटवा छे? तेना नाम लपुओ.
 २. विश्व में सुप्रसिद्ध महाकाव्य कितने है? उसके नाम लिखिए।
 ३. माता कुंता ओ कौमार्यविस्थांमां क्या देवना मंत्रनुं ध्यान कर्युं? तेनुं शुं परिणाम आव्युं?
 ३. माता कुंताने अपनी कौमार्य अवस्था में किस देव का मंत्र जाप किया? उसका परिणाम क्या आया?
 ४. 'पंचम वेद' नुं उपनाम कोने मण्युं छे? शा माटे?
 ४. पंचम वेद का उपनाम किसे मिला? क्यों?
 ५. महाभारतनां भिव भागनुं नाम जणुवावी तेने शा माटे भिव भाग कहेवांमां आवे छे?
 ५. महाभारत के खिल भाग का नाम बताइए तथा उसको खिल भाग क्यों कहा जाता है?
 ६. द्रौपदीना माता-पितानुं नाम जणुवावी तेना व्यक्तित्वना बे लक्षणो जणुवाओ.
 ६. द्रौपदी के माता-पिता का नाम बताइए तथा उनके दो व्यक्तित्व लक्षण बताइए।
 ७. महाभारतना विविध नाम लपुओ.
 ७. महाभारत के विभिन्न नाम लिखिए।

RAN-2401131404010001]

[1]

[P.T.O.]

P0107

प्र. २.	“महाभारतमां धर्मना लक्षणो स्पष्ट थाय छे” आ विधानने विस्तारपूर्वक समझावो.	१३
प्र. २.	“महाभारत में धर्म के लक्षण स्पष्ट है” कथन की विस्तार से व्याख्या कीजिए।	१३
	अथवा / अथवा	
प्र. २.	‘द्रौपदीनी मनोव्यथा’ सविस्तर यथो.	१३
प्र. २.	‘द्रौपदी की मानसिक अवस्था’ – चर्चा कीजिए।	१३
		१३
प्र. ३.	‘श्रीमद्भगवद्गीता मानवज्जवन माटे मित्र, दार्शनिक अने मार्गदर्शकनी भूमिका लखवे छे’ विस्तारपूर्वक समझावो.	१३
प्र. ३.	श्रीमद्भगवद्गीता मानव जीवन के लिए मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है। विस्तार से लिखिए।	१३
	अथवा / अथवा	
प्र. ३.	“महाभारतमां प्राप्त नारी विमर्श” सविस्तर यथो.	१३
प्र. ३.	महाभारत में पाए जाने वाले स्त्री विमर्श को विस्तार से लिखिए।	१३
प्र. ४.	टूंकनोंध लभो. (कोईपणु भे)	१४
प्र. ४.	टिप्पणी लिखिए। (किन्हीं दो)	१४
	१. महाभारतनी जैन साहित्य उपर असर	
	१. जैन साहित्य पर महाभारत का प्रभाव।	
	२. महाभारतनां गौण नारी पात्रो	
	२. महाभारत की गौण महिला पात्रो।	
	३. श्रीमद्भगवद्गीतामां भक्तियोग.	
	३. श्रीमद्भगवद्गीता का भक्तियोग	
	४. महाभारतकावीन राजकीय सीमाओ.	
	४. महाभारत काल में राजकिय सीमाएँ।	